14.40 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) Fast by Shri Raj Narain

श्री मनीराम बागड़ी (हिसार): उपाध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के अन्तर्गत एक महत्वपूर्ण प्रश्न की ओर सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं। श्री राजनारायण, भूतपूर्व संसद-सदस्य तथा केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने बागपत, बांदा, गोंडा, बांका, भटिंडा, डबवाली, मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली इत्यादि देश के समूचे स्थानों पर बलात्कार की घटनाओं के खिलाफ शासन की उदासीनता को लेकर 3-8-1980 दिन के 8 बजे से बोट कलब पर भूख-हड़ताल प्रारम्भ की है। उनका दलीय राजनीति से ऊपर उठ कर यह कदम, नारी का शील और मानव साभिमान और जीवन कैसे देश में सुरक्षित रह सकते हैं, इसके लिए उठाया गया है।

3-8-80 को डा. टंडन, जो डा. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के डाक्टर हैं, की रपट के मुताबिक उनका वजन 82.5 किलोग्राम 3 तारीख को था और कल को रपट के मुताबिक उनका वजन 76.5 किलोग्राम है। आज की रपट डाक्टरों की तरफ से नही है। शासन को छोटे छोटे सवालों को अपनी निजी प्रतिष्ठा का सवाल नही बनाना चाहिए, बल्कि ऐसे कामों में जनता से आगे नहीं तो साथ तो अवश्य रहना चाहिए। मैं चाहूंगा कि बागपत कांड और ऐसे सभी कांडों के लिए दोषी पुलिस अफसरों के विरुद्ध, जो कि नामजद हैं, उचित कार्यवाही की जाये।

(ii) Construction of a fishing harbour at Paradip.

SHRI CHINTAMANI PANIGRAHI (Bhubaneswar): Mr. Deputy-Speaker, Sir, Orissa Government has been following up with the Central Government for the last seven years for construction of a fishing harbour at Paradip. The final revised project report at a cost of Rs. 311.18 lakhs was sent to Government of India on 18th November 1977 by the Paradip Port Trust. This Harbour when constructed will provide leanding and berthing facilities to 270 mechanised trawlers besides providing facilities to deep sea trawlers. The demand for landing and berthing facilities for fishing vessels has been increasing at Paradip. The momentum created in marine fishing in Orissa State requires early construction of the fishing harbour at Paradip. Thus without any further delay the Government of India should approve this fishing harbour at Paradip which will go a long way in helping to earn a large amount of foreign exchange and help in the rapid development of marine fishing in Orissa which has a great potential.

(iii) Difficulties in transportation of goods in Delhi Zone of Northern Railway.

श्री चतुर्भुज (झालावाड़): उपाध्यक्ष महोदय, उत्तर रेलवे के नई दिल्ली क्षेत्र के माल गोदामों तथा यार्डों में रेल वेगनों का भारी जमाव हो गया है, जिसकी वजह से माल तथा पार्सल ढोने के काम में रुकावट आ रही है। माल डिब्बों के जाम होने के कारण यह हुआ है कि उनमें भरा हुआ सामान उठाया नही जा रहा है और माल से भरे हुए डिब्बे बड़ी तादाद में खड़े हुए हैं। डिब्बों का यह जमाव नई दिल्ली, गाजियाबाद तथा अन्य यार्डों में हो रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार 40 से अधिक वैगन इस तरह रोक कर खड़े हैं। यदि यही स्थिति रही, तो दिल्ली में रेल डिब्बों में से माल उतारने और चढाने का काम बिल्कुल रुक जायेगा। इसका एक नतीजा यह भी हो सकता है कि दिल्ली में जरूरत की चीजों की कमी हो जाये और भाव बढ जाए।

रेल कानून में संशोधन करके उन व्यापारियों के खिलाफ कार्यवाही करने का अधिकार सरकार ने लिया था, जो अपने गोदामों मे माल रखने की बजाये उन्हें रेल के डिब्बों मे ही पड़ा रहने देना अधिक लाभदायक समझते हैं।

रेल मंत्रालय को इस सम्बन्ध मे तुरन्त कार्यवाही करनी चाहिए।

(iv) Demand for a separate circle Head Office of the State Bank of India at Bangalore.